भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 658
बुधवार, 6 दिसंबर, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

भूकंप की घटनाएं

† 658. श्री रवनीत सिंह :

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या नेपाल से आने वाले भूकंप के झटकों सहित विशेषकर देश के उत्तरी हिस्सों में नियमित आधार पर भूकंप की घटनाओं की संख्या में वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के दौरान वर्ष-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार भूकंप की बढ़ती घटनाओं के कारण भविष्य में देश के लोगों, इमारतों और प्रतिष्ठानों को किसी भी संभावित नुकसान से बचाने के लिए कोई उपाय कर रही है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(श्री किरेन रीजीजू)

(क) और (ख) डेटा, वर्ष 2023 में भूकंप गतिविधि में वृद्धि का संकेत देता है और इसका मुख्य कारण पश्चिमी नेपाल में अल्मोडा फॉल्ट का सक्रिय होना है। इस सक्रियता के कारण 24 जनवरी, 2023 (एम:5.8), 3 अक्टूबर, 2023 (एम:6.2), और 3 नवंबर, 2023 (एम:6.4) को बड़े भूकंप आए। इन मुख्य झटकों के साथ-साथ बाद के झटकों के कारण वर्ष 2023 में भूकंपों की आवृत्ति में वृद्धि हुई है। तथापि , इस अवधि के दौरान पृष्ठभूमि भूकंपीयता अपरिवर्तित रही।

उत्तरी भारत और नेपाल में कभी-कभी मध्यम भूकंप और भूकंपीय गतिविधि में उतार-चढ़ाव का होना आम बात है। हिमालय क्षेत्र के सक्रिय भ्रंशों के पास स्थित नेपाल और भारत के आस-पास का उत्तरी भाग भूकंपीय दृष्टि से अत्यधिक सक्रिय क्षेत्र हैं जहां टेक्टोनिक्स टकराव के कारण अक्सर भूकंप आते रहते हैं, जहां भारतीय प्लेट यूरेशियन प्लेट के नीचे दब जाती है।

पिछले 3 वर्षों और चालू वर्ष के दौरान राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली द्वारा दर्ज किए गए इन क्षेत्रों में भूकंप की घटनाओं (तीव्रता 3.0 और उससे ऊपर) का विवरण नीचे दिया गया है:

भूकंप की तीव्रता सीमा	अवधि के दौरान भूकंपों की संख्या			
	वर्ष 2020	वर्ष 2021	वर्ष 2022	जनवरी से नवम्बर 2023
3.0 से 3.9	42	41	41	97
4.0 से 4.9	18	18	20	21
5.0 से 5.9	1	1	3	4
6.0 से 6.9	0	0	1	2

(ग) और (घ) जी हाँ , भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) ने ज़ोन II से लेकर V तक भारत का भूकंपीय ज़ोनिंग मानचित्र प्रकाशित किया है, जो भूकंप प्रतिरोधी इमारतों के निर्माण के लिए आवश्यक इंजीनियरिंग कोड और कार्यों को लागू करने के लिए दिशानिर्देश प्रदान करता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) भूकंप संबंधी घटनाओं के प्रति तैयारियों और प्रतिक्रिया को बढ़ाने के लिए भूकंप अभ्यास, जागरूकता कार्यक्रम, भूकंप प्रबंधन आदि जैसे विभिन्न एहतियाती उपायों के लिए जिम्मेदार एजेंसी रही है।

(ङ) प्रशन नहीं उठता।

******